शुभारम्भ

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

(NAAC द्वारा 'A+' ग्रेड प्राप्त विश्वविद्यालय)

शैक्षणिक सत्र 2022-23

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

को

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

का शुभारंभ करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

बंडारू दत्तात्रेय
माननीय राज्यपाल
एवं
कुलाधिपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

सत्यमेव जयते

मुख्य मन्त्री, हरियाणा
चण्डीगढ़।

CHIEF MINISTER, HARYANA.
CHANDIGARH

संदेश

हरियाणा राज्य में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 लागू करके कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र ने एतिहासिक कार्य किया है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने विस्तार व विकास के इस वर्तमान युग में युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाने के लिए हमेशा सफल भूमिका निभाई है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का मुख्य उद्देश्य शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव लाकर युवाओं को वैश्विक स्तर पर खड़ा करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूलभूत स्तंभ समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही है। सभी को शिक्षा के समान अवसर देने तथा अपनी रचनात्मकता को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति एक बेहत्तर मंच प्रदान करती है।

किसी भी देश में बड़ा बदलाव शिक्षा क्षेत्र के सहयोग के बिना संभव नहीं है। मुझे खुशी है कि इस दिशा में कदम उठाते हुए कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने अपने पाठयक्रमों में इस सत्र से ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर दिया है।

मैं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की पूरी टीम को इस उपलब्धि के लिए बधाई एवं शुभकामनाएँ देता हूँ।

(मनोहर लाल)

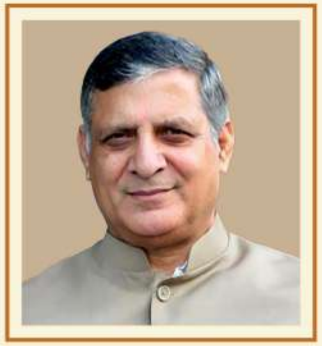

**शिक्षा, वन, पर्यटन, संसदीय कार्य, कला एवं
सांस्कृतिक मामले तथा सत्कार संगठन मंत्री, हरियाणा
चण्डीगढ़।**

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा एक स्मारिका का विमोचन किया जा रहा हैं।

मैं इस स्मारिका को तैयार करने वाले विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों व कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामानाएं देता हूँ, जिनके संयुक्त प्रयासों से इस स्मारिका को तैयार करने का कार्य सम्भव हो पाया है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहल करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप अपने पाठयक्रमों में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से बदलाव किया है जो विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्त्वपूर्ण साबित होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें भारतीयता का मूल तत्व समाहित है। इस नीति में छात्रों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास की ओर ध्यान दिया गया है। यह नीति नए भारत के निर्माण के लिए एक नया रोडमैप साबित होगी।

भारत विश्व का पहला ऐसा देश होगा, जो शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति से आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा कर रोजगार की नई संभावनाओं को सृजित करेगा। कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त कर चुके विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवा देकर न केवल इस विश्वविद्यालय बल्कि देश व प्रदेश का नाम भी रोशन कर रहे हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक व कर्मचारी बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने इतने कम समय में छात्रों के हित के लिए इस शिक्षा नीति को क्रियान्वित किया है।

मैं स्मारिका की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

(कंवर पाल)

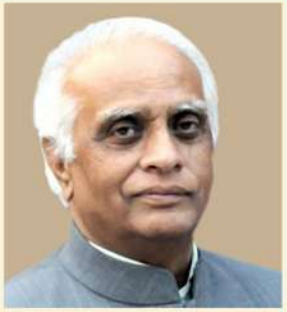

अध्यक्ष

हरियाणा राज्य उच्च शिक्षा परिषद

हरियाणा सरकार द्वारा स्थापित

(अधिनियम सं 4, वर्ष 2018)

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल आधार शिक्षा को संकीर्ण सोच से बाहर निकालना और इसे 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना है। राष्ट्र के पुनुर्त्थान के लिए नवाचारी मानव संसाधन की आवश्यकता है जिसके लिए यह नई शिक्षा नीति सफल सिद्ध होगी। हमारे युवा कुशल, आत्मविश्वासी और व्यावहारिक हो इसके लिए शिक्षा नीति नींव बना रही है।

यह नीति भारतीय मूल्यों से विकसित शिक्षा प्रणाली है जिसका उद्देश्य गुणात्मक शिक्षा उपलब्ध कराना और भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। इस नीति का ध्येय शिक्षकों, विद्यार्थियों और शैक्षिक नेतृत्व का समग्र विकास व चरित्र निर्माण पन होगा। यह नीति छात्रों में आत्मनिर्भरता और भारतीय होने पर गर्व की भावना पैदा करेगी। विद्यार्थियों को अध्ययन करने के लिए अधिक लचीलापन और विषयों को चुनने के विकल्प दिए जाएंगे ताकि विद्यार्थी अध्ययन और जीवन की योजना के अपने विकल्प चुनने के लिए स्वतंत्र हो सकें।

इस नीति का उद्देश्य शिक्षित लोगों को समाज के लिए उपयोगी बनाना है ताकि वे सक्रिय होकर देश व समाज निर्माण में अपना योगदान दे सकें। अत्यंत सुखद अनुभूति हो रही है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में इस सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को क्रियान्वित किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 क्रियान्वन के शुभारम्भ अवसर पर मैं समस्त विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देता हूँ तथा उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

कुठियाला

(प्रो. बृज किशोर कुठियाला)

PRINCIPAL SECRETARY
HIGHER EDUCATION &
TECHNICAL EDUCATION
GOVT. OF HARYANA

Message

It gives me immense pleasure to know that Kurukshetra University is ready to launch the National Education Policy-2020.

The main objective of the new National Education Policy is to make India an educational superpower at the global level and to further enhance the quality of education by universalizing education in India.

Curriculum re-design was the fulcrum of the National Education Policy and the University has not only completed the tremendous work of amending the curriculum but it is also ready to launch the same from the session 2022-23.

Students can now opt for subjects from all the standard streams and also take up other areas of study viz. art, music, craft, sports, yoga, community service, skill development and life skills.

I congratulate the administration, faculty, staff and students of the Kurukshetra University for this pioneering effort.

(Vijayendra Kumar, IAS)

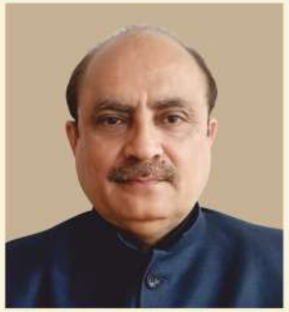

कुलपति

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय,
कुरुक्षेत्र - 136119 (भारत)

(राज्य विधान सभा के एक्ट XII द्वारा 1956 से स्थापित)

(A+ ग्रेड, नैक प्रत्यायित)

संदेश

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में हमेशा अग्रणी रहा है। उसी दिशा में कदम बढ़ाते हुए वर्तमान शैक्षणिक सत्र से कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को लागू करने जा रहा है जो हम सभी के लिए गर्व की बात है।

देश के विकास में वहां के निवासियों की शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। जिस देश में शिक्षा का स्तर मजबूत होगा, वह देश तेजी से तरक्की की दिशा में बढ़ेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आत्मा में भारतीय परम्परा के अनुरूप भारतीय भाषाओं के अंदर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास, इंटर्नशिप, मानवीय मूल्य विद्यार्थियों को देश पर गर्व करने की भावना को पैदा करने के साथ-साथ उन्हें रोजगारपरक भी बनाएंगे।

भारत की आने वाली पीढ़ियों का समग्र व सर्वांगीण विकास हो यही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल उदेश्य है। इन्हीं उदेश्यों को पूरा करने के लिए देश भर में इसे लागू किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में नई सूचना तकनीक आधारित शिक्षा, शोध की गुणवत्ता, विश्वविद्यालयों एवं शिक्षकों की स्वायत्तता सहित सभी विषय समाहित हैं।

मैं नए शैक्षणिक सत्र 2022-23 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन के शुभ अवसर पर स्मारिका विमोचन के लिए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई देता हूं।

(प्रो. सोमनाथ सचदेवा)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

उद्देश्य

समावेशी और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करना और सभी के लिए आजीवन सीखने को बढ़ावा देना ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अंतर्गत स्नातक एवं स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं

मानविकी संकाय में भाषा चुनने का विकल्प

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत मानविकी संकाय में स्नातक की पढाई करने वाले विद्यार्थियों के पास कोई भी एक भाषा (हिंदी/अंग्रेजी/संस्कृत/पंजाबी) को चुनने का विकल्प होगा ।

विषयों के व्यापक चयन की सुविधा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत स्नातक की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी अपने विषय अपनी पसंद से चुन सकेंगे। विषयों के चयन में कठोर सीमाओं को समाप्त किया गया है। इसके लिए पाठ्यक्रम में विषयों का पूल (Subjects Pool) बनाया गया है जिसमें छात्रों को अपने विषयों का चुनाव करने में सुविधा होगी।

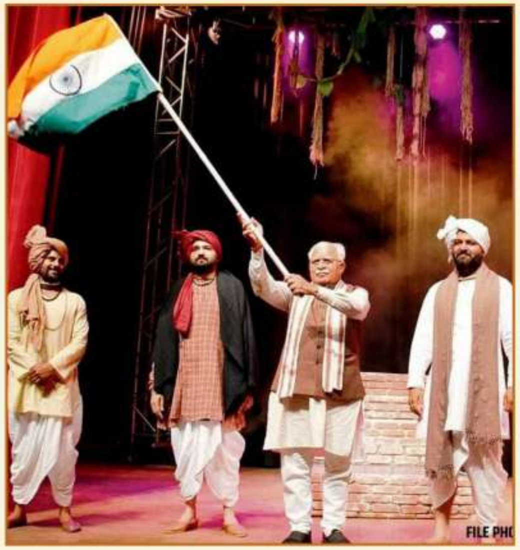

रोजगारपरक शिक्षा

पाठ्यचर्या की रूपरेखा के एक अभिन्न अंग के रूप में इंटर्नशिप का समावेश किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत पाठ्यक्रम को छात्रों के लिए रोजगारपरक बनाया गया है तथा तकनीकी ज्ञान और प्रैक्टिकल ट्रेनिंग को भी सम्मिलित किया गया है। नयी शिक्षा नीति में शिक्षा की गुणवत्ता का उच्च स्तर बनाये रखने का प्रयास किया गया है। ज्ञान सिर्फ रटने और परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि विद्यार्थियों की तार्किक, रचनात्मक एवं नैतिक सोच का विकास करने के लिए है। इंटर्नशिप में विद्यार्थी व्यावसायिक कार्यक्षेत्र में अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग कर सकेंगे और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट का विकल्प

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ग्रेजुएशन की पढाई को अब 3 और 4 साल के समय अन्तराल में बांटा गया है। जिसमें अब ''मल्टीपल एंट्री और मल्टीपल एग्जिट'' की सुविधा दी गयी है। इसके अनुसार अगर कोई विद्यार्थी स्नातक डिग्री की पढ़ाई बीच में अधूरी छोड़कर जाता है या किसी कारणवश अपनी पढाई पूरी नहीं कर पाता है, तो उसे एक साल में सर्टिफिकेट, दो साल में डिप्लोमा और 3 साल में स्नातक की डिग्री मिलेगी। यदि विद्यार्थी चार साल की पढाई पूरी करता है तो उसे बैचलर्स के साथ ऑनर्स और रिसर्च की डिग्री दी जाएगी। बीच में पढ़ाई छूटने के बाद अगर कोई विद्यार्थी अपनी पढाई पूरी करने का इच्छुक हो तो वह अपनी पढाई फिर से शुरू कर सकता है। इसके लिए उसे दोबारा स्नातक के प्रथम वर्ष से शुरू करने की जरूरत नहीं होगी। जिस वर्ष की पढाई अधूरी रह गयी थी वहीँ से शुरू कर सकते हैं। यहाँ भी छात्र अपनी पसंद से विषयों का चुनाव कर सकते हैं। यह प्रावधान विधार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने की असीमित अवधि प्रदान करेगा।

- 1 वर्ष के बाद सर्टिफिकेट
- 2 वर्षों के बाद डिप्लोमा
- 3 वर्षों के बाद स्नातक की डिग्री
- 4 वर्षों के बाद ऑनर्स और रिसर्च के साथ स्नातक की डिग्री

अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट (एबीसी) के तहत क्रेडिट ट्रांसफर

अब विद्यार्थियों से सम्बंधित जानकारियां, डाक्यूमेंट्स व अंक आदि को डिजिटल रूप में संग्रहित किया जाएगा। जिसे बाद में उनके डिग्री प्रदान करते समय इस्तेमाल किया जाएगा। विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से प्राप्त अंकों या क्रेडिट को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिये 'अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट' (Academic Bank of Credit) में पंजीकरण किया जाएगा, जिससे अलग-अलग संस्थानों में छात्रों द्वारा अर्जित क्रेडिट के आधार पर उन्हें डिग्री प्रदान की जा सके।

ऑनलाइन पाठ्यक्रम चुनने का विकल्प

छात्रों को ऑफलाइन कक्षाओं के साथ ऑनलाइन माध्यम से भी पाठ्यक्रम/कोर्स करने का विकल्प उपलब्ध होगा।

लर्निंग आउटकम आधारित पाठ्यचर्या की रूपरेखा - चयन आधारित क्रेडिट पद्धति (एलओसीएफ-सीबीसीएस)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार सभी पाठ्यक्रम विद्यार्थियों में अपेक्षित गुणों को बढावा देने और उन्हें रोजगार योग्य बनाने के उदेश्यों को ध्यान में रख कर बनाये गए हैं। इस उद्देश्यपूर्ण प्रणाली में विद्यार्थियों में सीखने के गुणों के विकास पर विशेष बल दिया गया है।

सभी विषयों में ऑनर्स का विकल्प

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विद्यार्थियों के पास अपनी रूचि के विषय में अधिक ज्ञान अर्जित कर, ऑनर्स की डिग्री प्राप्त करने का विकल्प रहेगा। यह सुविधा सभी विषयों में उपलब्ध होगी।

शोध को बढ़ावा देना

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ शोध को बढ़ावा देने के लिए अब 4- वर्षीय स्नातक डिग्री (ऑनर्स और रिसर्च) का प्रावधान किया गया है। शोध में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों के लिए चौथे वर्ष में शोध आधारित प्रोजेक्ट पूरा कर ऑनर्स एवं शोध की स्नातक डिग्री लेने का विकल्प भी रहेगा। ऐसे विद्यार्थी सीधे Ph.D.में प्रवेश पाने के योग्य होंगे। उन्हें मास्टर डिग्री में दाखिले की बाध्यता नहीं होगी।

शिक्षा के साथ कौशल विकास पर भी ध्यान

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अब छात्रों की शिक्षा के साथ कौशल विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्हें शुरूआती कक्षाओं से ही कम्प्यूटर, भाषा संचार, योग, मूर्तिकला आदि में भी पारंगत किया जाएगा।

सर्वांगीण विकास

सर्वांगीण विकास के लिए कौशल विकास, भाषा संचार, सामुदायिक जुड़ाव, मानवीय मूल्यों और नैतिकता, व्यक्तित्व विकास और रूचि/गतिविधि आधारित पाठ्यक्रमों से समृद्ध पाठ्यचर्या इस प्रणाली की मुख्य विशेषता है। भावी पीढ़ी के समग्र विकास को राष्ट्रीय शिक्षा नीति का प्रमुख उद्देश्य रेखांकित किया गया है। इस उद्देश्य को ध्यान में रख कर राष्ट्रीय एकता, भाषा संचार, पर्यावरण जागरूकता, कंप्यूटर ज्ञान, नैतिकता और सामुदायिक विकास के प्रति उत्तरदायित्व जैसे विषय भी शामिल किये गये हैं। अत: यह शिक्षा नीति सभी विद्यार्थियों के समग्र विकास के साथ साथ एक संवेदनशील पीढ़ी के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

INSTITUTE OF INTEGRATED & HONORS STUDIES
KURUKSHETRA UNIVERSITY KURUKSHETRA

(Established by the State Legislature Act XII of 1956)
(Category-I University, 'A+' Grade NAAC Accredited)

Admissions Open

Academic Session 2022-23

As per National Education Policy (NEP)-2020

• Bachelor Programmes •

(Humanities, Science, Commerce, BTTM, BCA, B.Sc. Home Science)

• Five Years Integrated Master Programmes •

(M.Sc. Biotechnology, M.Sc. Engineering Physics, M.Sc. Honors Economics)

Admissions on the basis of Academic Merit

Any Query E-mail to: admissionsiihs@kuk.ac.in | Helpline No. 01744-238049

Apply Online: www.iihskuk.in or www.iums.kuk.ac.in

Last date to apply: 20.08.2022

PROGRAMMES (2022-23)

UNDER

NATIONAL EDUCATION POLICY - 2020

Sr. No	Programmes	No. of Seats
1.	**Master (Five Year Integrated) (स्नातकोत्तर)**	
	A. M. Sc. Engineering Physics	**20**
	B. M.Sc. Bio-Technology	**20**
	C. M.Sc Honors Economics	**20**
2.	**Bachelor (स्नातक)**	**460**
	A. Languages (Choose Any One Language) English-240, Hindi-160,Punjabi-30,Sanskrit-30.	
	B. Subjects in Humanities (Choose Any Two) Economics-120, Physical Education -40, Sociology -40, Music -20, Philosophy -40, Psychology -80, Geography -80, Political Science -120, History -120, Mathematics-60, Public Administration -120, Tourism-40, Library Science-20, Fine Arts-20.	
3	**Subjects in Science (Choose Any Three)**	**480**
	Botany-140, Zoology -140, Biochemistry -40, Biotechnology -40, Chemistry -160, Mathematics -320, Physics -300, Statistics -60, Electronics -40, Electronics Equipment & Maintenance-40, Computer Science-80, Geography-40, Geology-20, Library Science-20.	
4	**Commerce**	**120**
5	**Home Science**	**40**
6	**BCA**	**60**
7	**BTTM**	**45**
8	**B.A. (VOC.) TTM**	**40**

PROGRAMME STRUCTURE & TEMPLATE

Semester	Core course (CC) @ 6 credits Subject-1	Core course (CC) @ 6credits Subject-2	Core course (CC) @ 6 credits Subject-3	Ability enhancement compulsory course (AECC) @ 2 credits	Skill Enhancement Course (SEC) @ 2-6 credits	Discipline Specific Course (DSE) @6 credits	Activity/ Hobby @ 2 credits (Audit)	Total credits	Exit option
I (Level-5)	CC-1A	CC-2A	CC-3A	Language communication/ Environmental Studies	SEC-1 Human Values and Ethics/Computer Science Level-1 @2credits	X	2	24	Certificate in Arts/ Science/ Commerce @ 58 credits
II (Level-5)	CC-1B	CC-2B	CC-3B	Language communication/ Environmental Studies	SEC-2 Human Values and Ethics/Computer Science Level-1 @2credits	X	2	24	
Internship @10 credits after 2nd semester (only for exit option)									
III (Level-6)	CC-1C	CC-2C	CC-3C	GE-1* @6Credits of level 5	SEC-3- Community Development/ Personality Development/ MOOC**	X	2	22+6*	Diploma in Arts/ Science/ Commerce @ 102 credits
IV (Level-6)	CC-1D	CC-2D	CC-3D	GE-2* @6Credits of level 5	SEC-4 - Community Development/ Personality Development/ MOOC**	X	2	22+6*	
Internship @10 credits after 4th semester (compulsory for all)									

PROGRAMME STRUCTURE & TEMPLATE

Semester	Core course (CC) @ 6 credits Subject-1	Core course (CC) @ 6credits Subject-2	Core course (CC) @ 6 credits Subject-3	Ability enhancement compulsory course (AECC) @ 2 credits	Skill Enhancement Course (SEC) @ 2-6 credits	Discipline Specific Course (DSE) @6 credits	Activity/ Hobby @ 2 credits (Audit)	Total credits	Exit option
V (Level-7)	CC-1H1 subject **H**	X	X	GE-3* @6Credits of level 5/6	SEC-5 (Major Subject-1) @6credits	DSE-1 (Major subject-1) DSE-2 (Major Subject-2)	2	20 + 10 of Internship $+6^H$ +6*	Graduation in Arts/ Science/ Commerce @ 142 credits OR Honors in subject @154 credits
VI (Level-7)	CC-1H2 subject **H**	X	X	GE-4* @6credits of level 5/6	SEC-6 (Major Subject-2) @ 6 Credits	DSE-3 (Major subject-1) DSE-4 Major Subject-2)	2	20 $+6^H$ +6*	

Semester	Core Courses @ 6 Credits	Research Ability Enhancement Courses (RAEC) and Thesis	Research Progression Seminars	Credits	Exit
VII (Level-8)	CC-1H1 and CC-1H2 (of level 7 to be completed by Graduate students without Honours)	Research Ethics @4 credits Research Methodology @4 credits	Review of Literature General Seminar @ 4 credits Synopsis Writing and Seminar @ 4 credits	16	Graduation in Subject (Honors & Research) @ 194 credits
VIII (Level-8)		Dissertation/Thesis Preparation/ Writing @ 20 credits	Midterm Seminar @ 2 credits Pre- submission Seminar @ 2 credits	24	

संस्थान में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

के अंतर्गत

कौशल विकास आधारित कोर्स

- फोटोशोप (Photoshop)
- गूगल फॉर्म और क्यूआर कोड (Google forms and QR code)
- प्रोग्रामिंग कौशल (Programming Skills)
- सी भाषा का उपयोग कर कोडिंग (Coding using C Language)
- वेब पेज निर्माण (Web page creation)
- ऑनलाइन गेमिंग (Online Gaming)
- अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन (Creative Writing in English)
- बैंकिंग संचालन के मूल तत्व (Basics of Banking Operations)
- प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अंग्रेजी (English for Competitive Exams)
- पीसीबी डिजाइन और निर्माण (PCB Design and Fabrication)
- बुनियादी इलेक्ट्रॉनिक्स (Basic Electronics for Beginners)
- तार्किक अभियोग्यता (Logical Reasoning)

गतिविधि आधारित कोर्स

- राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)
- राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC)
- विरासत और पर्यटन (Heritage and Tourism)
- यात्रा लेखन (Travel Writing)
- उत्कृष्ट स्वास्थ्य (Magnificent Health)
- रेड क्रॉस और प्राथमिक चिकित्सा (Red Cross and First Aid)
- लिंग संवेदनशीलता (Gender Sensitization)

रूचि आधारित कोर्स

- सुगम संगीत (Light Vocal Music)
- वाद्य यंत्र (Play with Instruments) गिटार, सितार, पियानो, हरमोनियम
- खेल (Sports) बास्केटबाल, बैडमिंटन, कैरम, शतरंज, वालीबाल, कबड्डी, योग
- फोटोग्राफी (Photography)
- बर्ड वाचिंग (Bird Watching)
- अपने विश्वविद्यालय के पौधों को जानें (Know your University Plants)
- साहित्यिक क्लब (Literary Club)
- आपके लिए भौतिकी (Physics for You)
- हरियाणा की लोक संस्कृति और विरासत (Folk Culture and Heritage of Haryana)

संस्थान के मुख्य आकर्षण

- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का मनोहर कैंपस
- छात्र और छात्राओं के लिए सुविधापूर्ण व सुरक्षित छात्रावास
- नवीनतम उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं
- परिसर में वाई-फाई की उपलब्धता
- सक्रिय एनसीसी, एनएसएस, वाईआरसी, खेल, सांस्कृतिक इकाइयां
- समृद्ध पुस्तकालय
- सभी विषयों में शोध की समुचित व्यवस्था
- ऊर्जावान, उच्च योग्य और अनुभवी फैकल्टी
- राज्य सरकार के मानदंड अनुसार छात्रवृति और शुल्क में रियायत
- सक्रिय महिला प्रकोष्ठ
- पर्यावरण के अनुकूल वातावरण
- कैंपस में 24 घंटे उपलब्ध चिकित्सा सुविधा
- रैगिंग पर जीरो टॉलरेंस

संस्थान का सामुदायिक योगदान

संस्थान की गतिविधियाँ

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
"आज़ादी का अमृत महोत्सव"
राष्ट्रीय कवि सम्मेलन

NATIONAL SERVICE SCHEME
एच.आई.वी./एड्स
जागरुकता कैंप

बैसाखी उत्सव

Welcome to
"NUTRITION MONTH CELEBRATIONS"

धरोहर हरियाणा संग्रहालय
धरोहर

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय

KURUKSHETRA UNIVERSITY

योगस्थः कुरु कर्माणि

इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्टीग्रेटिड एण्ड ऑनर्स स्टडीज़

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

Ph. No. 01744-238049 | www.iihskuk.in | www.iums.kuk.ac.in